प्र. भारतीय अर्थव्यवस्था का वर्तमान परिदृश्य क्या है और आप कैसे कह सकते हैं कि भारत अब एक लचीली अर्थव्यवस्था बन गया है?

उत्तर.

भारतीय अर्थव्यवस्था का वर्तमान परिदृश्य

- कुछ वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय मजबूत स्थिति में है। विश्व बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.9% की दर से बढ़ेगी, जिससे यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगी। यह वृद्धि विशेष रूप से उपभोग और निवेश क्षेत्रों में मजबूत घरेलू मांग के कारण हो रही है।
- भारत सरकार ने भी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाना और व्यवसायों के लिए कर कम करना शामिल है। परिणामस्वरूप, भारत की निवेश दर सकल घरेलू उत्पाद के 33% से अधिक हो गई है, जो दुनिया में सबसे अधिक में से एक है।

भारतीय अर्थव्यवस्था का लचीलापन

- कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। उदाहरण के लिए, वैश्विक COVID-19 महामारी और यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बावजूद, वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7. 2% की दर से बढ़ी।
- इस लचीलेपन को कई कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिनमें शामिल हैं:
  - **मजबूत घरेलू मांग :** भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत घरेलू मांग से संचालित होती है, जो बाहरी झटकों के प्रति कम संवेदनशील होती है।
  - **विविधीकृत अर्थव्यवस्था:** भारतीय अर्थव्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों में विविधतापूर्ण है, जो इसे किसी एक क्षेत्र में झटके के प्रति कम संवेदनशील बनाती है।
  - **युवा और बढ़ती जनसंख्या:** भारत में युवा और बढ़ती आबादी है, जो आर्थिक विकास का चालक है।
  - **सरकारी सुधार:** भारत सरकार ने हाल के वर्षों में कई सुधार लागू किए हैं, जिससे अर्थव्यवस्था अधिक कुशल और प्रतिस्पर्धी बन गई है।

लचीलेपन के उदाहरण

- हाल के वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन के कुछ विशिष्ट उदाहरण यहां दिए गए हैं:
  - **COVID-19** महामारी के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2022 - 23 में 7.2% की दर से वृद्धि करते हुए, ब्व्टप्ब्-19 महामारी से जोरदार वापसी की। यह इस तथ्य के बावजूद था कि भारत महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक था।
  - **2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान :** भारतीय अर्थव्यवस्था 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट से अपेक्षाकृत अछूती थी। यह इस तथ्य के कारण था कि भारतीय अर्थव्यवस्था अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ कम एकीकृत है।
  - **2014 के तेल की कीमत के झटके के दौरान :** भारतीय अर्थव्यवस्था 2014 के तेल की कीमत के झटके को अपेक्षाकृत अच्छी तरह से झेलने में सक्षम थी। यह इस तथ्य के कारण था कि भारत सरकार ने अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए कई प्रतिचक्रीय उपाय लागू किए।
- भारतीय अर्थव्यवस्था वर्तमान में मजबूत स्थिति में है और इसके अधिकांश अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तेज गति से बढ़ने की उम्मीद है। कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, भार अर्थव्यवस्था ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है।

प्र. बिहार की अर्थव्यवस्था का वर्तमान परिदृश्य क्या है? वे कौन से कारक हैं जिन्होंने बिहार को भारत में तीसरा सबसे बड़ा विकास करने वाला राज्य बनाया है?

उत्तर.

<u>बिहार की अर्थव्यवस्था का वर्तमान परिदृश्य</u>

- 2023-24 के लिए बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) (मौजूदा कीमतों पर) 8.59 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जो 2022-23 (7.89 लाख करोड़ रुपये) की तुलना में 8.9% की वृद्धि है। यह वृद्धि कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन से प्रेरित हो रही है।
- कृषि क्षेत्र बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। राज्य के पास एक समृद्ध कृषि विरासत है और यह चावल, गेहूं, मक्का और तिलहन के उत्पादन के लिए जाना जाता है। हाल के वर्षों में, बिहार सरकार ने कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, जैसे बीज और उर्वरकों के लिए सब्सिडी प्रदान करना और सिंचाई सुविधाओं में सुधार करना ।

- बिहार में औद्योगिक क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है. राज्य ने हाल के वर्षों में विशेष रूप से खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में कई बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित किया है। बिहार सरकार ने छोटे और मध्यम स्तर के उद्योगों के विकास को बढ़ावा देने के लिए कई औद्योगिक पार्क भी स्थापित किए हैं।
- बिहार की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का भी बड़ा योगदान है। सेवा क्षेत्र की वृद्धि आईटी, पर्यटन और वित्तीय सेवा क्षेत्रों के विस्तार से प्रेरित हो रही है।

<u>बिहार के आर्थिक विकास को संचालित करने वाले कारक</u>

बिहार की आर्थिक वृद्धि को कई कारक प्रभावित कर रहे हैं, जिनमें शामिल हैं:

- **अनुकूल सरकारी नीतियां :** बिहार सरकार ने निवेश आकर्षित करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई सुधार और पहल लागू की हैं। इनमें एफडीआई नियमों को सरल बनाना, कॉर्पोरेट कर की दर को कम करना और बुनियादी ढांचे में सुधार करना शामिल है।
- **प्रचुर प्राकृतिक संसाधन:** बिहार प्राकृतिक संसाधनों, जैसे भूमि, जल और खनिजों से समृद्ध है। यह आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।
- **युवा और कुशल कार्यबल:** बिहार के पास युवा और कुशल कार्यबल है। यह राज्य के लिए एक प्रमुख संपत्ति है और प्रमुख कंपनियों से निवेश आकर्षित कर रही है।
- **बेहतर बुनियादी ढांचा:** बिहार सरकार ने हाल के वर्षों में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए भारी निवेश किया है। इससे राज्य निवेश के लिए अधिक आकर्षक हो गया है और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिला है।

बिहार की अर्थव्यवस्था वर्तमान में मजबूत स्थिति में है और इसके अन्य भारतीय राज्यों की तुलना में तेज गति से बढ़ने की उम्मीद है। बिहार सरकार निवेश आकर्षित करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य के पास कई फायदे हैं, जैसे प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, युवा और कुशल कार्यबल और बेहतर बुनियादी ढांचा

❖❖❖

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR